प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. : 105-

SECONDARY SENT-UP EXAMINATION - 2

माध्यमिक उत्प्रेषण परीक्षा - 2024

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड
Question Booklet
Set Code

A

विषय कोड :
Subject Code : 1

SANSKRIT (SIL)

संस्कृत (SIL)

कुल प्रश्न : 100 + 5 = 105
Total Questions : 100 + 5 = 105

कुल मुद्रित पृ
Total Printed Pag

लिखें।

2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दि है।
5. यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — खण्ड-अ एवं खण्ड-ब।
6. खण्ड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना है। पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OM पत्रक में दिये गये सही विकल्प को नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भ के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर-पुस्तिका करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
7. खण्ड - ब में 5 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ।

खण्ड - अ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, वि से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही वि का OMR उत्तर-पत्रक पर चिह्नित करें। **50 × 1 =**

1. भारत किससे सदा सेवित है ?

(A) नदियों से (B) पर्वतों से

(C) सागरों से (D) इन सभी से

2. भीखन टोला गाँव कहाँ है ?

(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार

विषयनिष्ठ प्रश्न

अपठित गद्यांश (13 अंक)

अधोलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के

(अ) अस्माकं विद्यालयः राजकीयः विद्यालयः अस्ति । अत्र पठनस्य तु
एव, युगपदेव क्रीडानामपि सुलभा व्यवस्था अस्ति । अतएव
सर्वासां कक्षाणां परिणामः शतप्रतिशतं भवति । क्रीडानां प्रतियो
विद्यालयस्य छात्राः बहून् पुरस्कारान् अलभन्त । अस्माकं विद्य
परह्यः सम्पन्नो जातः । तत्र अस्माकं नगरस्य राज्यपालः मुख्याति
मुख्यातिथिः द्वारं सम्प्राप्तः छात्राः वाद्ययन्त्राणां ध्वनिना तस्य स्वा
मंचस्य सम्मुखे आसनं भूषितवान् ।

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत –

(क) वार्षिकोत्सवे मुख्यातिथिः कः आसीत् ?

(ख) मुख्यातिथौ आगते छात्राः किम् अकुर्वन् ?

III. अस्य गद्यांशस्य एकं समुचितं शीर्षकं लिखत ।

अथवा

एकदा एकः कर्तव्यपरायणः नगररक्षकः इतस्ततः भ्रमन् एकम् अश
महापुरुषम् अपश्यत् । सः आम्रवृक्षस्य आरोपणे तल्लीनः आसीत् ।
नगररक्षकः तं महापुरुषम् अवदत् – अवलोकनेन प्रतीयते यत् यदा
फलिष्यति तदा भवान् जीवितः न भविष्यति । अतः किमर्थं वृथ
कुर्वन्ति भवन्तः ? महापुरुषः हसित्वा अवदत् – पश्यन्तु एतान्
वृक्षान् । एतेषाम् आरोपणं मया न कृतं परं फलानि अहं खादित्
भवानि । अतः यदा मम आरोपितस्य वृक्षस्य फलानि अन्ये खादिष्य
पुनः प्रसन्नः भविष्यामि । महापुरुषस्य वचनं श्रुत्वा तं च नगरक्ष

(ख) महापुरुषेण आरोपितस्य वृक्षस्य फलानि के खादिष्यन्ति ?

III. अस्य गद्यांशस्य एकं समुचितं शीर्षकं लिखत । 1

(ब) सर्वेषु धनेषु विद्याधनम् एव उत्तमं धनं मन्यते । विद्यया एव जनाः जानन्ति यत् किं कर्तव्यम् अस्ति किं च अकर्तव्यम् । अनया एव ज्ञायते यत् किम् उचितम् अस्ति किं च अनुचितम् । विद्याधनेन एव वयं जानीमः यत् कः सन्मार्गः अस्ति कः च कुमार्गः । विद्यया एव मनुष्यः संसारे सम्मानं प्राप्नोति । विद्याधनाय वारं-वारं नमः ।

I. एकपदेन उत्तरत – $2 \times 1 = 2$

(क) किं धनम् उत्तमं मन्यते ?

(ख) कया मनुष्यः सम्मानं प्राप्नोति ?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2 \times 2 = 4$

(क) विद्या किं ज्ञायते ?

(ख) विद्याधनेन वयं किं जानीमः ?

A

[1

संस्कृते पत्रलेखनम्

(08 अंक)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें : 2 × 4

(i) पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़ाने हेतु प्रधानाध्यापक को संस्कृत में आवेदन लिखें ।

(ii) अपनी छोटी बहन के साथ गए शैक्षणिक यात्रा का वर्णन करते हुए अपने पिताजी संस्कृत में पत्र लिखें ।

संस्कृत में पत्र लिखें ।

(iii) छात्रवृत्ति-प्राप्ति हेतु प्राचार्य को एक आवदेन-पत्र संस्कृत में लिखें ।

(iv) आपका मित्र प्रथम श्रेणी से प्रवेशिका परीक्षा उत्तीर्ण हुआ है । इसके लिए उसे संस्

में एक बधाई पत्र लिखें ।

संस्कृते अनुच्छेद-लेखनम्

(13 अंक)

3. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर सात वाक्यों में एक अनुच्छेद संस्कृत में लिखें :

1 × 7 =

संस्कृत अनुच्छेद-लेखनम्

(13 अंक)

3. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर सात वाक्यों में एक अनुच्छेद संस्कृत में लिखें : $1 \times 7 =$

(क) आदर्शः छात्रः

(ख) भारतवर्षः

(ग) प्रियक्रीड़ा

(घ) सरस्वतीपूजा

(ङ) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

A

4. अधोलिखित में से किन्हीं छः वाक्यों के अनुवाद संस्कृत में करें :

(क) भारतवर्ष में अनेक महापुरुष हुए ।

(ख) हम दोनों विद्यालय जाते हैं ।

(ग) राजा दशरथ की तीन रानियाँ थीं ।

(घ) राम मोहन से तेज है ।

(ङ) पूर्व दिशा में सूर्य उगता है ।

(च) हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए ।

(छ) पेड़ के नीचे लड़के खेल रहे हैं ।

(ज) पटना गंगा के किनारे स्थित है ।

(झ) मुक्ति के लिए हरि को भजता है ।

(ञ) जल में मछलियाँ तैरती हैं ।

(ट) राम ने रावण को बाण से मारा ।

(ट) राम ने रावण को बाण से मारा ।

(ठ) इस विद्यालय में पाँच सौ छात्र हैं ।

लघु-उत्तरीय प्रश्न

(16 अंक)

5. अधोलिखित में से किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें : 8 × 2

(क) 'मंगलम्' पाठ की विषय वस्तु का वर्णन पाँच वाक्यों में करें ।

(ख) प्राचीन काल से ही पाटलिपुत्र किस रूप में प्रसिद्ध है ?

(ग) चारों आलसियों का संवाद अपने शब्दों में लिखें ।

(घ) तिरुमलाम्बा किसकी रानी थी और उसने किस प्रकार के काव्य की रचना की थ

(ङ) विवाह संस्कार में कौन-कौन से मुख्य कार्य होते हैं ? वर्णन करें ।

(च) 'भारतमहिमा' पाठ के आधार पर मातृभूमि की विशेषता बताएँ ।

(छ) 'नीतिश्लोकाः' पाठ से किसी एक श्लोक को साफ-साफ लिखें ।

(ज) साक्षात्कार के समय समिति के सदस्य रामप्रवेश पर क्यों प्रसन्न हुए ?

(झ) स्वामी दयानंद की शिक्षा-व्यवस्था का वर्णन करें ।

[illegible] कौन-सा रमणीय दृश्य श्रीराम के मन में रति उत्पन्न कर रहा है ?

(ग) चारों आलसियों का संवाद अपने शब्दों में लिखें ।
(घ) तिरुमलाम्बा किसकी रानी थी और उसने किस प्रकार के काव्य की रचना की थ
(ङ) विवाह संस्कार में कौन-कौन से मुख्य कार्य होते हैं ? वर्णन करें ।
(च) 'भारतमहिमा' पाठ के आधार पर मातृभूमि की विशेषता बताएँ ।
(छ) 'नीतिश्लोकाः' पाठ से किसी एक श्लोक को साफ-साफ लिखें ।
(ज) साक्षात्कार के समय समिति के सदस्य रामप्रवेश पर क्यों प्रसन्न हुए ?
(झ) स्वामी दयानंद की शिक्षा-व्यवस्था का वर्णन करें ।
(ञ) गंगा तट पर कौन-सा रमणीय दृश्य श्रीराम के मन में रति उत्पन्न कर रहा है ?
(ट) 'ज्ञानं भारः क्रियां विना' - यह उक्ति व्याघ्र पथिक कथा पर कैसे चरितार्थ होती
(ठ) ब्राह्मण के रूप में कर्ण के समक्ष कौन, किसलिए पहुँचते हैं ?
(ड) महात्मा बुद्ध के अनुसार वैर की शांति कैसे संभव है ?
(ढ) 'शास्त्रकाराः' पाठ में वर्णित वैज्ञानिक शास्त्रों पर प्रकाश डालें ।
(ण) विद्या एवं अहिंसा से क्रमशः क्या-क्या प्राप्त होता है ?
(त) किन-किन विदेशी यात्रियों ने अपने संस्मरण ग्रंथों में पटना का वर्णन किया है ?

1. (अ).

क.- आदर्शविद्यालयः

ख.- विद्यया एव जनाः जानन्ति यत् किं कर्तव्यम् अस्ति किंच अकर्तव्यम्

II. क.- अन्न पठनुस्य तु श्रेष्ठा व्यवस्था एव, युगपदेव क्रीडानामपि सुलभा व्यवस्था अस्ति

ख._सः विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवे प्रमुखे पात्रे रूपेण विद्यमानः आसीत्।

(iii). Ans- तुत्र अस्माकं नगरस्य राज्यपालः मुख्यातिथिः आसीन मुख्यातिथिः द्वारं सम्प्राप्तः छात्राः वाद्ययन्त्राणां ध्वनिना तस्य

(ब).1

क.- विद्या धन ही सर्व धनों में श्रेष्ठ है।

ख.- विद्यया एव जनाः जानन्ति यत् किं कर्तव्यम् अस्ति किंच अकर्तव्यम्

2. क.- अनया एव ज्ञायते यत् किम् उचितम् अस्ति किं च अनुचितम् ।

ख.- सर्वेषु धनेषु विद्याधनम् एव उत्तमं धनं मन्यते। विद्यया विद्यया एव एज जनाः जानन्ति यत् किं कर्तव्यम् अस्ति किं च अकर्तव्यम्

4.

क- अहमं देशमी अनेकः उत्सव अस्ति"

ख.- सः त्वम् अहं च विद्यालयं गच्छन्ति

ग.- तस्य तिस्रः भार्याः आसन् ।

घ.- रामः मोहनः तेज़ः

ङ.- प्रातःकाले सूर्यः पूर्वस्यां दिशायाम् उद्यति ।

उत्तर—

2.(ii)

बिक्रम-छात्रावासः
बिक्रम

परमादरणीयाः पितृमहाभागाः
सादरं प्रणामाः।

अत्र कुशलं तत्रास्तु। निवेदनम् यत् मम मासिकी परीक्षा समाप्ता जाता। मम उत्तर-पत्राणि शोभनानि अभवन्। अस्मिन् ग्रीष्मावकाशे अहं गृहं न आगमिष्यामि यतः विद्यालयेन एकस्याः शैक्षिकयात्रायाः आयोजनं कृतम्। एषा यात्रा आगरास्थितः ताजमहलं द्रष्टुम् आयोजिता अस्ति। यात्रा व्ययार्थं पञ्चशतं रुप्यकाणि भवन्तः प्रेषयन्तु। शेषं सर्वं कुशलम्। जनन्यै अग्रजाय च मम प्रणामः।

भवदीय प्रियपुत्रं
अर्णवः

सेवायाम्
श्री चंदन
बिहटा

उत्तर—

2.(iv)

पटनातः

तिथिः 30.05.2016

प्रिय मित्र विवेक,

सादरं यथोचितम्।

अहम् सकुशलं छात्रावासे निवसामि, अध्ययनरतश्च। आशासे त्वमपि पित्रा सह सकुशलं भविष्यसि। मम परीक्षाफलम् अद्यैव निर्गतम्। अहम् अतिप्रीतोऽस्मि यतोहि मया प्रथमश्रेण्याम् प्रथमस्थानम् प्राप्तम्। पुनः उच्चशिक्षार्थम् नवदिल्याम् जिगमिषामि। शेषम् शुभम्। पत्रोत्तरम् देयम्।

भवत्सुहृत्

राकेशः

3.(घ) सरस्वतीपूजा BM, 13C, 15A, 16C, 17A

माघे मासे शुक्ले पक्षे पञ्चम्यां तिथौ देवी सरस्वती सोल्लासं पूज्यते। अद्यैव वसन्तोत्सवः क्रियते। वसन्तपञ्चमीनाम्नी इयं तिथिः प्रसिद्धा एव। सरस्वती ज्ञानस्य अधिष्ठात्री देवी मन्यते। वीणापाणिः इयं माता छात्रेभ्यः विद्यां ददाति। सा हंसवाहिनी शुक्लाम्बरा सरस्वती भारते सर्वत्र पूज्यते। इहि अवसरे छात्राणाम् उत्साहः दर्शनीय एव। छात्राः पञ्चम्यां तिथौ विद्यालयेषु सोत्साहं सरस्वतिपूजनं कुर्वन्ति। पूजावसाने दर्शनार्थिभ्यः मिष्टान्नानि प्रदीयन्ते। षष्ठ्यां तिथौ प्रतिमायाः विसर्जनं जलाशये (नद्यां सरोवरे वा) भवति।

5.(क)

उत्तर—इस पाठ में चार मन्त्र क्रमशः ईशावास्य, कठ, मुण्डक तथा श्वेताश्वतर नामक उपनिषदों से संकलित है। ये मङ्गलाचरण के रूप में पठनीय हैं। वैदिकसाहित्य में विशुद्ध आध्यात्मिक ग्रन्थों के रूप में उपनिषदों का महत्त्व है। इन्हें पढ़ने से परम सत्ता के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है, सत्य के अन्वेषण की प्रवृत्ति होती है तथा आध्यात्मिक खोज की उत्सुकता होती है। उपनिषद् ग्रन्थ विभिन्न वेदों से सम्बद्ध हैं।

(ख)

उत्तर—पाटलिपुत्र प्राचीनकाल से ही अपनी वैभव परम्परा के लिए विख्यात रही है। विदेशी यात्री ने संस्मरणों में यहाँ की अनेक उत्कृष्ट सम्पदाओं का वर्णन किया है। मेगास्थनीज ने लिखा है कि चन्द्रगुप्तमौर्य काल में यहाँ की शोभा और रक्षा व्यवस्था अति उत्कृष्ट थी। अशोक काल में यहाँ निरन्तर समृद्धि रही। कवि राजशेखर ने अपनी रचना काव्यमीमांसा में ऐसी ही बात लिखी है। यहाँ बड़े-बड़े कवि-वैयाकरण भाष्यकार (परीक्षित) हुए।

आज पाटलिपुत्र नगर 'पटना' के नाम से जाना जाता है। जहाँ संग्रहालय, गोलघर, जैविक उद्यान इत्यादि दर्शनीय स्थल हैं। इस प्रकार पाटलिपुत्र प्राचीनकाल से आज तक विभिन्न क्षेत्रों में वैभव धारण करता है। इसका संकलित रूप संग्रहालय में देखने योग्य है।

ग चारों आलसियों के वार्तालाप को अपने शब्दों में लिखें। **18 A**

अथवा, वास्तविक आलसियों की पहचान कैसे हुई? **19 A**

उत्तर—अलसशाला में आग लगने पर भी चार आलसी लोग भागने के बजाए आपस में बातचीत कर रहे थे। एक ने कपड़े से मुख ढँककर कहा– अरे हल्ला कैसा? दूसरे ने कहा लगता है कि इस घर में आग लग गयी है। तीसरे ने कहा– कोई भी ऐसा धार्मिक नहीं है जो इस समय पानी से भींगे वस्त्रों से या चटाई से हमलोगों को ढँक दे। चौथे ने कहा– अरे! वाचाल कितनी बातें करोगे?

(च)

20 A

उत्तर—भारत भूमि पुत्रवत्सला है। यहाँ की नदियाँ पवित्र हैं। यहाँ विभिन्न धर्म, जाति एवं भाषा के लोग आपसी मेल-जोल से रहते हैं। भारत का वातावरण शांत एवं उल्लासमयी है। यहाँ गंगा जमुना तरजीव है। अनेकता में एकता इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(ड़) **उत्तर**—संस्कार सोलह हैं। विवाह संस्कार के उपरांत ही मनुष्य वस्तुतः गृहस्थ जीवन में प्रवेश करता है। विवाह पवित्र संस्कार है जहाँ विविध विधान कर्मकाण्ड होते हैं। उनमें वाग्दान (वचनबद्धता), मण्डप निर्माण (मँडवा), वधू के घर पर वरपक्ष को स्वागत, वर-वधू का परस्पर निरीक्षण, कन्यादान, अग्निस्थापना, पाणिग्रहण (हाथ देना), लाजाहोम (धान के लावे से हवन), सप्तपदी (सात वचनों से फेरे), सिन्दूरदान इत्यादि। सभी जगह प्रायः विवाह-संस्कार का आयोजन होता है। तदनन्तर गर्भाधान इत्यादि संस्कार पुनरावृत्त होकर जीवनक्रम घूमता है। मरण के अनन्तर अन्त्येष्टि संस्कार अनुष्ठित होता है। इस प्रकार भारतीय दर्शन का महत्त्वपूर्ण स्रोत स्वरूप संस्कार है।

(छ) 'नीतिश्लोकाः' पाठ से किसी एक श्लोक को साफ-साफ शब्दों में लिखें।

19 A

उत्तर— षड् दोषाः पुरूषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता।।

(झ) स्वामी दयानन्द की शिक्षा-व्यवस्था का वर्णन करें। 19 A

उत्तर—प्राचीन शिक्षा में दोष देखकर नवीन शिक्षा पद्धति को इन्होंने बताया। अपने सिद्धान्तों का कार्यान्वयन के लिए 1875 में मुम्बई नगर में 'आर्य समाज' संस्था की स्थापना कर अपने अनुयायी के लिए मूर्त्तरूप से समाज के संशोधन के उद्देश्य को प्रकट किया। शिक्षा पद्धति में गुरुकुलों का डी॰ए॰वी॰ विद्यालयों का समूह स्वामी जी के अनुयायियों के द्वारा प्रारम्भ किया गया। वर्तमान शिक्षा पद्धति समाज में गुणात्मक सुधार के लिए स्वामी दयानन्द की ही देन है।

(ट) 'ज्ञानं भारः क्रियां बिना' यह उक्ति व्याघ्र पथिक कथा पर कैसे चरितार्थ होती है? **19 A, 21 A**

उत्तर—जब बाघ के द्वारा पथिक पकड़ लिया गया तब वह सोचने लगा कि जिसकी इन्द्रियाँ वश में नहीं होती उसकी क्रिया हाथी के स्नान की तरह निरर्थक होती है। दुर्भाग्यशाली लोगों का ज्ञान प्रायः क्रिया के बिना भार स्वरूप हो जाता है।